अमृत भारत के दावों के बीच कटनी स्टेशन बदहाल यात्री सुविधाएं भगवान भरोसे

» प्लेटफार्म पर महीनों से उखड़ा फर्श, मलबा और फिसलन

» एक्स-रे बैगेज स्कैनर व ट्रेन इंडिकेशन डिस्प्ले बंद, गंदगी से भी यात्रियों का बुरा हाल

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन कटनी जंक्शन की तस्वीर इन दावों से अलग कहानी बयां कर रही है। स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 से लेकर अन्य प्लेटफार्मों तक यात्री बुनियादी सुविधाओं और अव्यवस्थाओं के बीच सफर करने को मजबूर हैं। प्लेटफार्म नंबर-1 पर फुट ओवरब्रिज के नीचे महीनों से फर्श उखड़ा पड़ा है। निर्माण कार्य का मलबा भी मौके पर पड़ा है और यात्रियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त बैरिकेडिंग तक नजर नहीं आती। बारिश में यह हिस्सा और खतरनाक हो जाता है। फिसलन के बीच बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के गिरने का खतरा बना रहता है। ट्रेन के आते ही यात्रियों की आवाजाही बढ़ने पर हादसे की आशंका और बढ़ जाती है। प्लेटफार्म नंबर-3 और 4 पर भी कई जगह फर्श की हालत खराब है। कहीं फर्श उखड़ा है तो कहीं बारिश के कारण फिसलन है। सवाल यह है कि यात्री सुविधाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यात्रियों के चलने के लिए सुरक्षित फर्श तक क्यों नहीं है?

सुरक्षा व्यवस्था भी अधूरी: स्टेशन के मुख्य द्वार पर यात्रियों के सामान की जांच के लिए लगाया गया एक्स-रे बैगेज स्कैनर बंद पड़ा है। सुरक्षा से जुड़ी इतनी महत्वपूर्ण व्यवस्था का बंद रहना रेलवे की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इसके साथ ही एल ई डी ट्रेन इंडिकेशन डिस्प्ले बोर्ड भी बंद है। इस पर ट्रेन नंबर, ट्रेन का नाम, आगमन-प्रस्थान का समय और प्लेटफार्म नंबर जैसी महत्वपूर्ण जानकारी यात्रियों को मिलती है। बोर्ड बंद होने से यात्रियों को ट्रेनों की जानकारी के लिए दूसरे साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। प्लेटफार्मों पर गंदगी और सड़ांधः प्लेटफार्म नंबर-1 से 5 तक कई स्थानों पर कूड़ा-करकट और गंदगी दिखाई देती है। पान की पीक, बदबू, सड़ांध के साथ मच्छर और मक्खियों की मौजूदगी सफाई व्यवस्था की स्थिति बताने के लिए काफी है। यात्रियों का सवाल है कि इतने महत्वपूर्ण जंक्शन पर नियमित सफाई और निगरानी व्यवस्था आखिर किस स्तर पर हो रही है। कटनी जंक्शन से बड़ी संख्या में यात्री रोजाना सफर करते हैं। इसके बावजूद सुरक्षा स्कैनर बंद, ट्रेन सूचना डिस्प्ले बंद, फर्श उखड़ा और प्लेटफार्म गंदगी से बेहाल हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल रेलवे से यही है कि कटनी स्टेशन के विकास और यात्री सुविधाओं के लिए आने वाला करोड़ों रुपये का फंड आखिर कहां खर्च हो रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन का स्वरूप बदलने की बात कही जा रही है, लेकिन मौजूदा व्यवस्थाओं की हालत यह सवाल खड़ा कर रही है कि नई तस्वीर दिखाने से पहले पुरानी बुनियादी समस्याओं को ठीक करना रेलवे की प्राथमिकता क्यों नहीं बन पा रहा? किसी यात्री के गिरने या सुरक्षा संबंधी कोई घटना होने के बाद व्यवस्था जागेगी या उससे पहले इन कमियों को दूर किया जाएगा—यह सवाल अब रेलवे अधिकारियों के सामने है।

बाढ़ पीड़ितों की सेवा में लगातार सातवें दिन डटे सनातनी सेवक पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा

रंगौली और सोहास में बांटे 1500 साड़ियां और 2000 भोजन पैकेट

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

जिले में आई प्राकृतिक आपदा और बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए सनातनी सेवक पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा लगातार सात दिनों से धरातल पर डटे हुए हैं। सेवा ही संकल्प के ध्येय वाक्य के साथ पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी निरंतर प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर हर संभव सहायता पहुंचा रहे हैं।

इसी क्रम में रविवार को पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा बाढ़ प्रभावित ग्राम रंगौली एवं सोहास पहुंचे। वहां आपदा से जूझ रही महिलाओं को 1500 साड़ियां वितरित की गईं, साथ ही भूखे और परेशान ग्रामीणों के लिए 2000 ताजे व गरमा-गर्म भोजन के पैकेट बांटे गए। राहत सामग्री वितरण के दौरान छोटे-छोटे बच्चों और बुजुर्गों को भी उनकी जरूरत के अनुसार वस्त्र प्रदान किए गए। विगत एक सप्ताह से लगातार जारी इस राहत अभियान में पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी बिना थके जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर अपनी ओर से हर संभव सेवा भाव समर्पित कर रहे हैं। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए पंडित रत्नाकर चतुर्वेदी शिवा ने कहा, बाढ़ का पानी भले ही कुछ कम हुआ हो और स्थितियां धीरे-धीरे सामान्य हो रही हों, लेकिन प्रभावित परिवारों का कष्ट और संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। लोग अब भी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान हैं।

मेरी जिला प्रशासन से अपील है कि जल्द से जल्द प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर हर पीड़ित परिवार तक उचित मुआवजा और शासकीय सहायता पहुंचाई जाए, ताकि उनका जीवन पुनः पटरी पर लौट सके। सनातनी सेवक शिवा ने स्पष्ट किया कि जब तक अंतिम प्रभावित व्यक्ति तक राहत नहीं पहुंच जाती, उनका यह सेवा अभियान निरंतर जारी रहेगा। यह अभियान में छवि त्रिपाठी , योगेश त्रिपाठी, अरुण पटनहा,रामत्रय शुक्ला जी,रवि यादव,अजय सिंह, हेमंत पाण्डेय, श्रेष्ठ, शिवाय,मनु यादव,राहुल यादव,हरि सिंह सहित ग्राम वासी उपस्थित रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटर के नेतृत्व में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटर के नेतृत्व में राहत एवं जनसंपर्क अभियान चलाया गया। रामशंकर पयासी के निर्देशन में तथा कोटर ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मी त्रिपाठी के संयोजन में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने रात्रि में प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की और बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों एवं उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

जरूरतमंद परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। शासन-प्रशासन से मांग की गई कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए तथा प्रभावित परिवारों तक भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं आवश्यक राहत सामग्री तत्काल पहुंचाई जाए। साथ ही बाढ़ से प्रभावित परिवारों को नियमानुसार उचित सहायता एवं मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने भटियागवा, रेहूंता, खम्हा, डोंढ़ी, टिकरी, अकौना एवं इटौर सहित विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान अजीत सिंह, सत्यभान सिंह, अनुराग सिंह, सुरेश अग्निहोत्री, अनूप सिंह, वीरेंद्र दहिया, पुष्पेंद्र त्रिपाठी, लखन सिंह, उमेश दुबेदी, गोकुल सिंह, रामकलेश सिंह, अवधेश सिंह, लालमन सिंह एवं जय सिंह सहित कोटर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का संपूर्ण प्रतिनिधिमंडल उपस्थित रहा।

अवैध शराब परिवहन पर फूटा महिलाओं का आक्रोश

बोलेरो रोककर नष्ट की शराब पेटियां 4 पर कार्रवाई

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

जिले में बेखौफ फल-फूल रहे अवैध शराब के कारोबार और पैकारियों के खिलाफ ग्रामीणों, खासकर महिलाओं का गुस्सा अब सड़कों पर उतर आया है। शनिवार को उमरियापान थाना क्षेत्र के ग्राम घुघरा में ग्रामीणों ने अवैध शराब लेकर जा रही एक बोलेरो गाड़ी को घेर लिया और उसमें रखी शराब की पेटियों को सड़क पर फेंककर पूरी तरह नष्ट कर दिया।

पैकारियों से खराब हो रहा गांव का माहौलः प्राप्त जानकारी के अनुसार, घुघरा गांव में लंबे समय से अवैध शराब की बिक्री और सप्लाई की शिकायतें आ रही थीं। शनिवार को शराब ठेकेदारों की बोलेरो गाड़ी गांव में दाखिल हुई, तो बड़ी संख्या में एकत्र हुई महिलाओं और ग्रामीणों ने उसे रोक लिया। इस दौरान शराब दुकान के कर्मचारियों और ग्रामीणों के बीच तीखी बहस व तनाव की स्थिति बन गई। आक्रोशित महिलाओं ने गाड़ी से शराब की बोतलें निकालकर सड़क पर फोड़ दीं। ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध पैकारियों के कारण गांव का सामाजिक माहौल बिगड़ रहा है और युवा पीढ़ी नशे की लत में फंस रही है। पुलिस व प्रशासन से बार-बार गुहार लगाने के बाद भी ठोस कार्रवाई न होने पर उन्हें खुद यह कदम उठाना पड़ा।

विधायक ने भी जताई थी चिंताः गौरतलब है कि बड़वारा विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने भी हाल ही में कटनी एसपी अभिनय विश्वकर्मा को पत्र लिखकर विधानसभा क्षेत्र में चल रही अवैध पैकारियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की थी।

पुलिस ने 4 लोगों पर की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई: मामले में एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी ने मीडिया बताया कि घुघरा गांव में विवाद की सूचना मिलते ही उमरियापान थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची थी, हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही ग्रामीण शराब नष्ट कर चुके थे। एसडीओपी ने स्पष्ट किया कि उक्त पेकारी पर पुलिस पूर्व में भी वैधानिक कार्रवाई कर चुकी है। शनिवार की घटना के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लेते हुए 4 लोगों के खिलाफ धारा 151 के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

सिम बंद करना वोडाफोन आइडिया को पड़ा महंगा

उपभोक्ता आयोग ने सेवा में कमी मानकर 5 हजार क्षतिपूर्ति और 9 प्रतिशत ब्याज देने के दिए आदेश

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने मोबाइल सिम बंद करने के मामले में वोडाफोन आइडिया की सेवा में कमी मानते हुए उपभोक्ता सतवीर सिंह भाटिया के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग के अध्यक्ष सनत कुमार कश्यप एवं सदस्य रेखा पाण्डेय की पीठ ने कंपनी को 5 हजार रुपए क्षतिपूर्ति के साथ 9 अक्टूबर 2018 से भुगतान तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने के आदेश दिए हैं। मामले में उपभोक्ता की ओर से अधिवक्ता राहुल गुप्ता ने पैरवी की। कंपनी ने सिम को 90 दिनों से अधिक उपयोग नहीं किए जाने के कारण टी आर ए आई की गाइडलाइन के तहत डी-एक्टिवेट करने की बात कही थी। आयोग ने पाया कि कंपनी ऐसा कोई दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सकी, जिससे सिम के निर्धारित अवधि में उपयोग नहीं होने की पुष्टि हो।आयोग ने परिवाद आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए आदेश दिया कि 45 दिनों में भुगतान नहीं करने पर निष्पादन कार्यवाही के दौरान कंपनी को 2 हजार रुपए अतिरिक्त खर्च भी वहन करना होगा।

पंचूलाल तो सरल सहज है लेकिन राजेंद्र शुक्ला का बयान गैर जिम्मेवाराना

स्तीफा दे राजेंद्र शुक्लाः नारायण त्रिपाठी

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

विंध्य की बिटिया कल्पना मिश्रा की जच्चा बच्चा सहित हुई मौत के मामले ने पूरे विंध्य को झकझोर के रख दिया। हुई घटना को वीडियो के माध्यम से पूरे देश प्रदेश ने देखा। पिता सहित विंध्य के तमाम बुद्धजीवी न्याय की गुहार लगाते हुए आमरण अनशन पर है। ऐसे में पूर्व भाजपा विधायक पंचूलाल का बयान उनकी सरलता को साबित करता है।

उनकी मजबूरी है उन्हें पार्टी के साथ खड़े होना ही पड़ेगा लेकिन विंध्य के कद्दावर नेता होने का दावा करने वाले डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला का भरे मंच में यह कहना कि डीन का वे कुछ नहीं कर सकते दुर्भाग्यपूर्ण है और उन्हें अपने पद में बने रहने का कोई अधिकार नहीं बचता उन्हें तत्काल स्तीफा दे देना चाहिए। राज्य का उप मुख्यमंत्री पीड़ित पिता से कह रहे है कि डीन पर कार्यवाही उनके बूते में नहीं तो कौन करेगा कार्यवाही। आज पूरा मृतिका के पिता भाई पूरा विंध्य,सरकार से पूछना चाहता है कि आखिर वे अपनी पीड़ा अपना दर्द किससे कहे। किसको बताए कि क्या क्या लापरवाही हुई जिसके कारण उनकी बेटी दुनिया में नहीं रही। किससे कहे किस आईएएस, आईपीएस,नेता किसके पास परिजन जाए कौन जांच कराएगा,परिजन जिन जिन बिंदुओं में जांच कर कार्यवाही चाहते है तो किसके पास जाए यह कौन बताएगा। श्री त्रिपाठी ने कहा कि घटना की जिम्मेवारी स्वास्थ्य मंत्री डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला को अपनी जवाबदेही मानते हुए स्तीफा देना ही चाहिए।

जंगल में 45 मिनट की पड़तालएसडीओपी राहुल कटरे की सक्रियता से मिली चोरी की पेटी, खुलासे की ओर पुलिस

पीपुल्स प्रवक्ता टीकमगढ़।

श्री जी मंदिर में हुई चोरी के मामले में पुलिस की जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती नजर आ रही है। चोरी के बाद से ही स्ष्ठह्रक्कराहुल कटरे द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर लगातार संदिग्ध गतिविधियों और संभावित सुरागों पर नजर रखी जा रही थी। इसी सक्रियता के बीच पुलिस को मंदिर से चोरी हुई पेटी जंगल क्षेत्र से बरामद होने की महत्वपूर्ण सफलता मिली है। जानकारी के अनुसार, SDOP राहुल कटरे ने मौके पर पहुंचकर पेटी मिलने की सूचना स्क्कसुधीर अग्रवाल को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में आगे की कार्रवाई की गई। मौके पर फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम को बुलाकर संभावित साक्ष्यों को सुरक्षित किया गया और वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू की गई।

जंगल में करीब 45 मिनट तक सुराग तलाशते रहे SDOP बताया जा रहा है कि स्ष्ठह्रक्क राहुल कटरे स्वयं पुलिसकर्मियों के साथ करीब 45 मिनट तक जंगल क्षेत्र में मौजूद रहे और संभावित सुरागों की तलाश करते रहे। मौके से बरामद पेटी और अन्य साक्ष्यों को लेकर पुलिस ने बारीकी से जांच की। SDOP की मौके पर सक्रिय मौजूदगी और लगातार निगरानी से पुलिस की गंभीरता साफ नजर आई। बताया जा रहा है कि SDOP के मौके पर पहुंचने के करीब 30 मिनट बाद कोतवाली थाना पुलिस भी वहां पहुंची, जिसके बाद संयुक्त रूप से आवश्यक कार्रवाई की गई। जंगल क्षेत्र से चोरी की पेटी बरामद होने और मौके पर विशेषज्ञ टीम द्वारा साक्ष्य जुटाए जाने के बाद अब श्री जी मंदिर चोरी मामले में पुलिस की कार्रवाई पर लोगों की नजरें टिकी हैं। SDOP राहुल कटरे की सक्रियता और लगातार की जा रही पड़ताल को इस मामले में अहम कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

टीकमगढ़ के तालाब में अनियंत्रित होकर गिरी बलेनो कार

पीपुल्स प्रवक्ता टीकमगढ़।

शहर में सागर बाईपास के पुरानी टेहरी पर बीती रात को महेंद्र सागर तालाब में एक तेज रफ्तार बलेनो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार में सवार सभी लोग शराब के नशे में बताए गए हैं और सभी लोग सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, यह घटना बीती शनिवार की रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। बलेनो कार में 3 लोगों के साथ चालक सवार था, जो शराब के नशे में थे। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से कार में सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। लोगों के अनुसार यह कार तालाब में कम गहराई में जाकर गिरी, जिससे एक बड़ी घटना टल गई।

भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष डॉ. यश यादव का महुआ बस्ती में भव्य स्वागत

जन्माष्टमी पर दिया भाईचारे और नशा मुक्ति का संदेश

पीपुल्स प्रवक्ता सतना।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. यश यादव सतना शहर के महुआ बस्ती इलाके में आयोजित जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। महुआ बस्ती पहुंचने पर स्थानीय लोगों, बच्चों, बुजुर्गों और युवा साथियों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

पूरे बस्ती में कृष्ण कन्हैया लाल की जय और यश भैया जिंदाबाद के नारों से माहौल भक्तिमय हो गया। डॉ. यश यादव ने मंदिर परिसर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया। इसके बाद उन्होंने उपस्थित युवा साथियों को संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि *÷नशे की लत से हमारे सभी युवा भाई दूर रहें, सद्भावना, प्रेम और भाईचारा बनाए रखें। एक-दूसरे की मदद करें। उन्होंने वर्तमान में बाढ़ की स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि इस कठिन समय में सभी को मिलकर बाढ़ पीड़ितों की मदद करनी चाहिए। कोई भी गरीब परिवार मदद से वंचित न रहे, इसके लिए बच्चे, बूढ़े, बुजुर्ग सभी को मिलकर सहयोग करना होगा। सम्मान मिलने पर भावुक होते हुए डॉ. यश यादव ने कहा, आज मुझे ऐसा लग रहा है कि मेरे ताऊ जी ने जो मुझे आशीर्वाद दिया था, वो आशीर्वाद आज आप सभी के रूप में मिल रहा है और सदैव मिलता रहेगा। उन्होंने महुआ बस्ती के नागरिकों द्वारा मिले स्नेह और अपनापन के लिए सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया। अपनी फेसबुक पोस्ट में भी उन्होंने लिखा - द्बमहुआ बस्ती, सतना में आयोजित श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जो आत्मीय स्वागत मिला, उससे दिल छू गया। जय श्री कृष्ण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बकाया नहीं चुकाया तो खदान संचालकों पर आरआरसी

अगस्त तक 47.80 करोड़ का राजस्व, अवैध खनन-परिवहन के 101 मामलों में 81.17 लाख का अर्थदंड

पीपुल्स प्रवक्ता कटनी।

जिले में खनिज राजस्व की बकाया राशि की वसूली के लिए प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने निर्देश दिए हैं कि निर्धारित समय-सीमा में बकाया जमा नहीं करने वाले खदान संचालकों के खिलाफ भू-राजस्व संहिता के तहत आरआरसी जारी कर वसूली की जाए। साथ ही बिना वैध रॉयल्टी खनिज का परिवहन पाए जाने पर पंजीयन निरस्त करने सहित दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। खनिज विभाग की समीक्षा के अनुसार जिले में वर्तमान में 119 मुख्य और 77 गौण खदानें संचालित हैं। चालू वित्तीय वर्ष में अगस्त तक इनसे 47 करोड़ 80 लाख रुपए खनिज राजस्व प्राप्त हुआ है। राजस्व लक्ष्य की पूर्ति के लिए बकायेदार खदान संचालकों से राशि वसूलने पर निगरानी बढ़ाई गई है। कलेक्टर ने विगत वर्षों की असंचालित खदानों और बकाया डेड रेंट वाले खदान धारकों की भी समीक्षा के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि बकाया राशि जमा नहीं करने वालों के विरुद्ध आरआरसी की कार्रवाई की जाए। स्वीकृत खदानों में अनुमत्य मात्रा के अनुरूप उत्पादन और प्रेषण की भी जांच होगी। जहां रॉयल्टी जमा नहीं की जा रही है, वहां मौके पर भौतिक सत्यापन कराया जाएगा।

अवैध खनन-परिवहन पर 81.17 लाख का अर्थदंडः खनिज विभाग ने अगस्त तक अवैध खनिज उत्खनन के 4 मामलों में 7 लाख 89 हजार रुपए और अवैध खनिज परिवहन के 97 मामलों में 73 लाख 28 हजार 223 रुपए का अर्थदंड वसूला है। दोनों तरह के मामलों में कुल 81 लाख 17 हजार 223 रुपए की वसूली हुई है। बिना रॉयल्टी खनिज परिवहन के मामलों में नियमित जांच और निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का लक्ष्य अवैध खनन पर रोक के साथ खनिज राजस्व की क्षति को रोकना है।